मोहयाल मित्र

सर्वे भवंतु सुखिनः। सर्वे संतु निरामयाः। सर्वे भद्राणि पश्यंतु मा कश्चित् दुःखभागभवेत्ः।।

क्या आपके पास दस मिनट हैं ?

■ डॉ. अब्दुल कलाम

प्रस्तुत लेख राष्ट्रपति बनने से पूर्व लिखा गया था। यह सामान्य नागरिक के समक्ष आने वाली कठिनाइयों के साथ-साथ देश प्रेमी भारतीयों के मन-मस्तिष्क को झकझोर देने वाला लेख है। हम अपने देश के लिए क्या कर रहे हैं? आइए पढ़ें यह विचारोत्तेजक लेख और सोचें।

मुझे अपनी बात शिद्दत से दोहराने दीजिए। क्या आपके पास अपने देश के लिए दस मिनट हैं? यदि हैं तो पढ़िए वरना आपकी मरज़ी। आप कहते हैं कि सरकार निकम्मी है। आप कहते हैं कि हमारे कानून बहुत पुराने हैं। आप कहते हैं कि म्युनिसिपालिटी कूड़ा–कचरा नहीं हटाती। आप कहते हैं कि फोन काम नहीं करते, रेल–सेवा बकवास है, वायुसेवा संसार में सबसे निकृष्ट है और चिट्ठियाँ कभी अपने गंतव्य तक नहीं पहुँचती। आप कहते हैं कि देश खस्ताहाल है और निकृष्टतम स्थिति में है। आप कहते हैं, कहते हैं और कहते रहते हैं। मगर इस सबसे बारे में आप क्या कर रहे हैं? एक आदमी को सिंगापुर ले जाइए। उसे एक नाम भी दे दीजिए। खुद अपना। उसे एक चेहरा भी दे दीजिए– खुद आपका। एयरपोर्ट के बाहर निकलते हैं। और अंतरराष्ट्रीय तौर तरीकों से व्यवहार करने लगते हैं। सिंगापुर में आप न सिगरेट के टोटे सड़कों पर फेंक सकते हैं। न ही स्टोर्स में खा सकते हैं। उनकी अंडरग्राउंड लिंक्स पर उन्हें ही नहीं, आपको भी गर्व होता है। ऑचार्ड रोड पर (जो माहिम कॉजवे या पेडर रोड के समकक्ष है) शाम 5 बजे से 8 बजे के दौरान गाड़ी चलाने के लिए आप 5 डॉलर (लगभग 60 रुपए) देते हैं।

आपकी हैसियत कुछ भी क्यों न हो यदि आप किसी रेस्तरां या शॉपिंग माल में ज्यादा वक्त तक रुक गए हैं तो आप पार्किंग की जगह वापस जाकर अपना पार्किंग टिकट पंच करते हैं। सिंगापुर में आप कुछ नहीं कहते, नहीं कहते न? दुबई में रमज़ान के दौरान किसी सार्वजनिक स्थान पर खाने की आपकी हिम्मत नहीं होगी कि टेलिफोन एक्चेंज के किसी कर्मचारी को दस पाउंड (650 रुपए) महीना देकर खरीद सकें ताकि मेरी एस.टी.डी. और आई.एस.डी. कॉलों का बिल किसी और के खाते में लगा दिया जाए। वाशिंगटन में आपकी हिम्मत नहीं होगी कि आप 55 एमपीएच प्रति घंटा (88 किलोमीटर प्रति घंटा) से तेज गति से कार चलाएँ और यातायात पुलिस के 'सिपाही से कहे, ''जानता है में कौन हूँ? मैं फलां–फलां का बेटा हूँ। ये अपने दो रुपए पकड़ और चलता बन। ''ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैड के समुद्र तटों पर खाली नारियल आप कूड़े के डिब्बे के अलावा और कहीं नहीं पटकेंगे। आप टोकियो की सड़कों पर पान की पीक क्यों नहीं थूकते?

आप बोस्टन में परीक्षा में नकल कराने वालों का इस्तेमाल या नकली प्रमाणपत्र खरीदने का काम क्यों नहीं करते। हम अब भी बात आपकी ही कर रहे हैं। आप जो विदेशों में विदेशी व्यवस्था का आदर और पालन कर सकते हैं मगर खुद अपनी व्यवस्था का नहीं। भारतीय धरती पर पहुँचते ही आप सिगरेटें और कागज जमीन पर फेंकने लगेंगे। जब आप एक पराए देश में निष्ठावान और प्रशंसक नागरिक हो सकते हैं तो भारत में आप वैसा ही व्यवहार क्यों नहीं कर सकते? एक बार एक साक्षात्कार में मुंबई के भूतपूर्व म्युनिसिपल कमिश्नर तिनईकर ने बहुत सही बात कही थी, अमीर लोगों के कुत्ते सड़कों पर निवृत्त होने के लिए ले जाए जाते हैं और जब यह 'रईस' गंदगी सड़कों पर पड़ी होती हैं तो यही लोग पलटकर गंदी सड़कों के लिए प्रशासकों की आलोचना करने और उन पर दोष मढ़ने लगते हैं। अफसरों से वे क्या उम्मीद करते हैं? जितनी बार उनके कुत्ते को हाजत हो झाड़ू लेकर उसकी गंदगी साफ करें?

अमेरिका में ऐसी सफाई हर कुत्ते के मालिक को हर बार खुद करनी होती है। यही बात जापान में है। क्या यहाँ भारतीय नागरिक ऐसा करेंगे? उनकी बात सही है। हम सरकार चुनने के लिए चुनाव का आयोजन करते हैं और उसके बाद सारी जिम्मेदारी से पीछा छुड़ लेते हैं। हम आराम से बैठ जाते हैं और उम्मीद करते हैं कि सारी सफाई सरकार करे जबकि हमारा योगदान केवल नकारात्मक रहता है। हम सरकार से सफाई करने की उम्मीद करते हैं मगर हम हर जगह कूड़ा फेंकने से बाज नहीं आएँगे या फिर हम कहीं पड़ा कागज का टुकड़ा उठाकर कूड़ेदान में फेंकने वाले है 'हम रेलवे से उम्मीद करते हैं कि वे स्वच्छ प्रसाधन उपलब्ध कराए।

हम इंडियन एयरलाइंस और एयर इंडिया से श्रेष्ठतम भोजन और प्रसाधन सामग्री की उम्मीद रखते हैं लेकिन मौका मिलते ही चीजें उठाने से नहीं चूकते। यही बात उन कर्मचारियों पर

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

भी लागू होती है जिनके बारे में कहा जाता है कि वे जनता को उचित सेवा नहीं देते। जब स्त्रियों, दहेज, कन्या शिशु और अन्य ज्वलंत सामाजिक मुद्दों की बात होती है तो बाहर बैठ कर हम बहुत बढ़–चढ़ कर बात करते हैं मगर अपने घर में उसका बिल्कुल उलटा करते हैं। और हम बहाना क्या बनाते हैं? 'सारी व्यवस्था को ही बदलना होगा वरना अगर सिर्फ में अपने बेटे के लिए दहेज न लूँ तो फर्क क्या पड़ेगा? तो व्यवस्था को कौन बदलेगा? व्यवस्था बनाते कौन हैं?

हमारे लिए बड़े आराम की बात है कि व्यवस्था में हमेशा हमारे पड़ोसी, दूसरे घर, दूसरे शहर, दूसरी जातियाँ और सरकार शामिल होती है। मगर में और आप निश्चित तौर पर नहीं। जब व्यवस्था में हमारे सकारात्मक सहयोग की बात उठती है तो हम खुद को अपने परिवार के सुरक्षित दायरे में महफूज कर लेते हैं और दूरदराज के देशों की तरफ देखते और इंतजार करते हैं कि कोई मि. क्लीन आएगा और अपने हाथ के जादू से हमारे यहाँ चमत्कार कर देगा। या फिर हम इस देश को छोड़कर भाग खड़े होंगे। अपने डरों को पीछे लगाए आलसी कायरों की तरह हम अमेरिका भाग खड़े होते हैं उनके गौरव से महिमामंडित होने और उनकी व्यवस्था की प्रशंसा करने।

जब न्यूयॉर्क असुरक्षित हो जाता है तो लंदन भागते हैं। जब इग्लैंड में बेरोजगारी होती है तो हम अगली उड़ान से खाड़ी के देशों का रुख करते हैं। जब खाड़ी के देशों पर युद्ध के बादल मंडराते हैं तो हम भारत सरकार से मांग करते है कि हमें बचा कर वापस अपने घर लाए जाए। हर कोई देश का सत्यानाश करने पर आमदा है। कोई व्यवस्था को पोषित करने के बारे में नहीं सोचता। अपनी अंतरात्मा हमने धन के पास गिरवी रख दी है।

बहुत-बहुत बधाई

मेरे पौत्र **ध्रुव दत्ता** ने 'मैरिन–इंजिनियरिंग' की डिग्री प्राप्त कर ली है। इसके उपलक्ष्य में मैं अपने पुत्र कर्नल संजय दत्ता और बहू रश्मि दत्ता को बधाई देते हुए जी.एम.एस. को 1000 रुपए की राशि प्रेषित करती हूँ। मेरे नाती सिद्धार्थ चाबा (शर्मा) ने डॉक्टरी की डिग्री प्राप्त की है। इस खुशी के अवसर पर मैं अपने दामाद श्री राजन चाबा और बेटी संगीता चाबा तथा समस्त चाबा परिवार को बधाई देते हुए 'जी.एम.एस. एजुकेशन फंड' में 1000 रुपए सहयोग राशि के रूप में प्रेषित करती हूँ। मेरी नातिन श्रेया बाली ने एल.एल.बी. की पढ़ाई पूरी कर ली है। उसकी इस सफलता की प्रसन्नता के उपलक्ष्य में मैं उसकी दादी जी श्रीमती स्वतन्त्र बाली और माँ सीमा बाली को बधाई देती हूँ। श्रेया के पिता स्वर्गीय संजय बाली को याद करते हुए मोहयाल आश्रम हरिद्वार के लिए 1100 रुपए की सहयोग राशि प्रेषित करती हूँ।–***कमल दत्ता, जनकपुरी नई दिल्ली***

मास्टर विश्वास छिब्बर का मुंडन

मास्टर विश्वास छिब्बर का 5 फरवरी 2018 को सावन पार्क पानीपत में मुंडन संस्कार हुआ। इस मौके पर विश्वास के रिश्ते–नातेदारों ने उसको आशीर्वाद दिया। मास्टर विश्वास जितेंदर छिब्बर व गविता छिब्बर के सुपुत्र हैं तथा श्री कुलदीप प्रकाश छिब्बर व श्रीमती सावित्री छिब्बर (गाँव कला सिंध) के पौत्र हैं। साथ ही श्रीमती इंद्रा कांता वैद व श्री इन्दर प्रकाश वैद जी के दोहते हैं। खुशी के इस मौके पर श्री जितेंदर छिब्बर ने 250 रुपए की राशि जी.एम.एस. को भेंट की।

पच्चीसवीं वैवाहिक सालगिरह

श्री दलीप बाली व श्रीमती पूनम बाली की 25वीं वर्षगांठ 30 जनवरी 2018 को वृंदावन में मनाई। इस मौके पर दलीप बाली व श्रीमत पूनम बाली अपने बेटे राहुल बाली, राहित बाली व बहन शशि दत्ता और पूनम बाली की बहन नीरु वैद व उनका बेटा रिशब वैद के साथ वृंदावन मथुरा पहुँचे और बांके बिहारी मंदिर में भगवान के श्री चरणों में प्रसाद चढ़ा कर आशीर्वाद लेकर हर्षोल्लास के साथ सालगिरह मनाई। बेटों व साथ गए रिश्तेदारों ने ढेर सारी शुभकामनाऐं दीं और भगवान से सबने प्रार्थना की कि इसी प्रकार परिवार तरक्की करता रहें। इस शुभ अवसर पर दलीप बाली जी पुत्र स्वर्गीय श्री बी.डी. बाली निवासी म.न. 110 तिहार गाँव, नई

दसवीं और बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ

5 मार्च 2018 से सी.बी.एस.ई. और अन्य बोर्डों की परीक्षाएँ आरंभ हो गई हैं। रायज़ादा बी.डी. बाली (अध्यक्ष जी.एम.एस.), सभी मैनेजिंग कमेटी के सभी सदस्यों की ओर से परीक्षा दे रहे विद्यार्थियों को हार्दिक शुभकामनाएँ।

85 प्रतिशत और अधिक अंक लाने वाले विद्यार्थियों को 'प्रतिभाशाली मोहयाल विद्यार्थी सम्मान' से सम्मानित किया जाएगा। अनेक पुरस्कार दिए जाएँगे। हमरीह शुभाकामनाएँ!

डॉ. अशोक लव
संयोजकः प्रतिभाशाली मोहयाल विद्यार्थी सम्मान

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

अमर शहीद बालमुकुंद छिब्बर की वीर पत्नी

श्रीमती रामरक्खी छिब्बर

उनके व्याह को एक ही वर्ष हुआ था। पति के गिरफ्तार किए जाने पर श्रीमती रामरक्खी ने चारपाई पर पैर न रखा। पति के फाँसी पाते ही उन्होंने अपने प्राण त्याग दिए। म. खुशहालचन्द ने इस घटना को यह सुन्दर रूप दिया है:

फूल खिला था। बुलबुल उसकी सुन्दर सुकुमार पंखुडियों को छू–छू कर गाती थी। माली आया। बुलबुल के इर्द–गिर्द चक्कर काटने लगी। माली ने बड़ी निर्दयता से फूल तोड़ लिया। उसकी पंखुडियों को अलग–अलग करके टोकरे में डाल दिया। बुलबुल चीखी, चिल्लाई, परन्तु व्यर्थ। अन्त में वह बेहोश होकर गिर पड़ी। फूल के पास ही तड़प–तड़प वह ठंडी हो गई। गर्मियों के दिन थे वे जेल में थे, मैं घर पर थी।

छः मास में किसी घड़ी की इंतजार कर रही थी। लोग कहते थे, 'तू बावली न बन, वे छूट जाएंगे, घर आ जाएंगे।' मैं कहती थी, 'वह दिन कब आयेगा?' वह सूर्य कब निकलेगा? वह रात कब खत्म होगी? वह शुभ घड़ी किस समय आएगी?''

मैंने दिल्ली काहे को देखी थी। पर वे दिल्ली में रखे गए थे। वहीं तो मुकदमा चल रहा था। मैं वहाँ पहुँची। देखा, जेल की कोठरियाँ बहुत भयानक हैं। और उनमें से एक के अन्दर जेठ–असाड़ की गर्मियों में उन्हें रात को रहना पड़ता है। मैंने पूछा, 'क्या चारपाई मिलती है?' ''कहने लगे, क्या भोली बनी है। यहाँ चारपाई का क्या काम?'' ''कम्बल जमीन पर बिछाकर सो रहा हूँ।'' मैं अपने घर आई। लोग रात को खुली छतों पर चारपाइयाँ बिछाकर सोते हैं। मैं सबसे निचली कोठारी में घुस गई। एक ऊनी कम्बल भूमि पर बिछाया और उस पर लेट गई। मच्छर मिनमिनाने लगे। वे कानों के इर्द–गिर्द चक्कर लगाते थे। ऐसा प्रतीत होता था, जैसे उपदेश दे रहे हैं, 'नादान, क्या ऐसी कोठरी में गर्मियों के दिनों में कम्बल पर नींद आया करती है?

मैं उठ बैठी। रोशनदान से चाँद की किरणें आ रही थी। मैंने झूककर चाँद को देखा और पूछा, क्यों चमकने वाले, क्या तू उनके कमरे में भी चमकता है? क्या तू देखता है कि रातें इसी प्रकार जागते और करवटें बदलते काट देते हैं? चांदनी की ओर बार–बार देखने पर भी मुझे कोई उत्तर न मिला। मैं फिर लेट गई। मच्छरों ने मेरा बदन काट–काट कर फोड़ा बना दिया। अगली रात को भी मेरा बिस्तर इसी कोठरी में था। तीसरी रात मच्छर मुझे बेबस पाकर मुझ अबला पर आक्रमण कर चुके थे कि अचानक मेरी सहेली आ गई। वह कहने लगी, 'क्या मरने पर कमर बाँध रखी है?

''क्यों, मैं कैसे मरने लगी हूँ। मैंने पूछा।' ''ये ढंग तो मरने के ही हैं। उसने कहा।'' मैंने पूछा, वे तो इस तरह सोते हैं, वे...'' ''हाँ–हाँ मर तो जाते हैं। सहेली ने उत्तर दिया।'' मेरी आँखें गीली हो गई, आँसू टपक पड़े। सहेली चकित रह गई। वह अपने आपको कोसने लगी।'' किसी का दोष नहीं, मैंने कहा कि मेरा भाग्य फूट गया है। वे जेल में किस तरह सोते हैं, क्या मैं उसी तरह न सोऊँ?

अब मुझे फिर उन्हें देखने की इज़ाजत मिली। मैं दिल्ली पहुँची। अबकी हाल पूछा तो कहने लगे, हम एक ही समय खाना खाते हैं। ''रोटी कैसी होती है?'' मैंने पूछा। ''उन्होंने मुझे रोटी का एक टुकड़ा दे दिया। मैंने देखा, उसमें चने भी हैं, गेहूँ भी हैं और भी कुछ पड़ा हुआ है। घर आकर इसी प्रकार अनाज मिलाया, पीसा और रोटी बनाई। फिर एक बार खाकर, दूसरे पहर पानी पर गुजर की। इस प्रकार कई मास बीत गए। मुकदमा चलता रहा। अन्त में एक दिन मैं अपनी कोठरी में बैठी उनका ध्यान कर रही थी। तब बाहर से रोने की आवाज आई। मेरा दिल जोर–जोर से उछलने लगा। मेरे माथे पर पसीना आ गया। दिल को थामे में बाहर आई। देखा, वे उनका नाम लेकर बातें कर रही थीं। फाँसी का हुक्म हो गया। उनको अन्तिम बार देखने के लिए मैं फिर दिल्ली पहुँची। उसी जेल में जहाँ जवानों की जवानियाँ खत्म कर दी जाती है। जहाँ कोमल एवं सुकुमार पंखुडियाँ मसल दी जाती है। उनके दर्शन किए। दिल कहता था, 'कुछ बात कर लो'। होंठ उसे उत्तर देते थे, हमारे अन्दर हिलने की शक्ति नहीं। हाँ, उनके होंठ खुले और आवाज आई, ''प्राण प्यारी, संसार असार है। जो आया है उसने जाना है। कोई किसी का साथी नहीं। आपको सौभाग्यवती समझो कि मैं देशहित के लिए अपनी आहुति दे रहा हूँ।''

मेरे कानों ने इस आवाज को सुना। आँखों ने छम–छम आँसू बरसाने शुरू कर दिए। मैं बार–बार आँसुओं को रोकती थी कि जी भरकर देख तो लेने दो। पर ये रुकते ही न थे। अगले दिन हवन की सामग्री इकट्ठी की गई। लोग कहने लगे, आज उनका अन्त्येष्टि–संस्कार होगा। मैंने सोचा, 'अच्छा मौका मिलेगा, अब में मिलाप कर सकूंगी।' लेकिन थोड़ी देर बाद सब लोग वापस आ गए। कहने लगे, शव नहीं मिलता। फिर क्या हुआ? मैं वर्णन नहीं कर सकती। पन्द्रह दिन से मैं व्रत से हूँ। अब वह घड़ी करीब आ रही है जब मेरा मनोरथ पूरी हो जाएगा। इतना कहकर देवी चुप हो गई। देवी ने इसके पश्चात अनाज का एक दाना भी मुँह को न लगाया, न पानी का एक घूंट ही पिया। एक ही स्थान पर बैठकर उसका ध्यान टिकता था, देवी ने तपस्या की। आखिर एक दिन जब आकाश बिल्कुल साफ था। सूर्य चमक रहा था, लोग अपने कारोबार में लगे थे, देवी अपनी जगह से उठी। स्वयं ही साफ सुथरा पानी लायी। स्नान किया और शुद्ध वस्त्र पहनकर फिर पहली जगह पर बैठ गई। कहने लगी, ''प्यारे, बहुत दिन तक परीक्षा ले चुके। आज तो दामन न छोडूगीं। अब जुदा न रह सकूँगी।'' लोग कहने लगे, 'भाई बालमुकुन्दजी की पत्नी सती हो गयी है।' मैंनें कहा, ''बिल्कुल फूल पर निछावर हो गई है।''

भाई परमानन्द जी ने करियाला में भाई बालमुकुन्द जी की स्मृति में उनके नाम पर स्कूल खोला और श्रीमती रामरक्खी के स्मारक के रूप में दोनों के नाम पर आयुर्वेदिक अस्पताल स्थापित किया। इस स्कूल के पहले हेडमास्टर भाई बालमुकुन्दजी के मित्र श्री सेवकराम यात्री बने। लड़कियों के लिए रामरक्खी बालिका विद्यालय भी था।

मौज-मस्ती और रंगों का त्योहार होली
आपके जीवन को आनंद और मौज-मस्तियों से भर दे।
हमारी शुभकामनाएँ !
-जनरल मोहयाल सभा

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

स्थानीय मोहयाल सभाओं की गतिविधियाँ

फरीदाबाद

मोहयाल सभा फरीदाबाद की मासिक बैठक 4 फरवरी 2018 को मोहयाल भवन में श्री रमेश दत्ता जी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। जिसमें लगभग 55 मोहयाल भाई–बहन उपस्थित थे। मोहयाल प्रार्थना के उपरान्त रायज़ादा के.एस. बाली जी ने पिछले माह की रिपोर्ट पढ़कर सुनाई।

उन्होंने श्री ओ.पी. मोहन (पूर्व सीनियर वाईस प्रेसीडेंट, जीएमएस) व श्रीमती नीलिमा मेहता (सदस्य जीएमएस) का अपनी व अपनी सभा की ओर से स्वागत किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि पहले भी हमारी सभा की ओर से हमारे युवा खिलाड़ी क्रिकेट खेलने खन्ना गए थे जहाँ से वे विजयी होकर आए थे। अब हम मोहयाल सभा, वेस्ट ज़ोन नई दिल्ली की क्रिकेट टीम को फरीदाबाद आमंत्रित करेंगे। मैच की तारीख की घोषणा बाद में ही की जाएगी। साथ ही उन्होंने बताया कि अभी प्रेसीडेंट–जनरल सेक्रेटरी मीटिंग 28 जनवरी 2018 को नई दिल्ली में हुई थी, वहाँ पर ज्ञात हुआ कि यमुनानगर में (मेरिट) का निर्माण हो रहा है व उन्होंने अपील की है कि प्रत्येक सभा इस निर्माण कार्य में कम से कम 51,000 रु. की सहयोग राशि दे। हमारी सभा ने 21,000 रुपए की सहयोग राशि भूमि पूजन पर दी थी। सभी ने एक होकर 30,000 रु. की राशि का चैक शीघ्र जी. एम.एस. को भिजवाने को कहा।

श्रीमती नीलिमा मेहता जी ने सभी बहनें, जो जी.एम.एस. से सहायता राशि प्राप्त करती हैं, को जीएमएस की गतिविधियों से अवगत करवाया। श्री ओ.पी. मोहन जी ने कहा कि जो बहनें आत्मनिर्भर होना चाहती हैं, वो अपना प्रोजक्ट एम.एस. फरीदाबाद को बताए, हम सभी उन्हें पूरा सहयोग करेंगे व कामयाब बनायेंगे।

इस अवसर पर श्री मिथलेश दत्ता जी ने निम्न राशि एकत्र की: श्रीमती शकुन्तला वैद जी ने 500 रु., श्री भारत भूषण दत्ता जी की पत्नी श्रीमती सुमन दत्ता ने 100 रु., व श्रीमती संध्या दत्ता ने अपने पति स्वर्गीय श्री विजय कुमार दत्ता जी की याद में 100 रु. सभा को भेंट किए।

श्री नगेन्द्र दत्ता जी ने सभी को बताया कि हमारे प्रधान श्री रमेश दत्ता जी व श्रीमती सुमन दत्ता जी की विवाह की सालगिरह 30 जनवरी को थी व आज के भोजन की व्यवस्था उनके पुत्र व पुत्रवधु श्री ध्रुव दत्ता व श्रीमती किम्मी दत्ता जी की ओर से की गई है। सभी ने उनके सुखी वैवाहिक जीवन की कामना की व बधाई दी। श्रीमती बाला बाली जी ने सुंदर गीत से उन्हें बधाई व आशीर्वाद दिया। श्री रमेश दत्ता जी ने सभी का धन्यवाद किया। उन्होंने बताया कि 4 मार्च 2018 को हम भवन में 'होली–मिलन' करेंगे सभी भाई–बहन सपरिवार इस मौके पर जरूर उपस्थित हो।

रमेश दत्ता, *प्रधान* — *मो. 9212557095*

रायज़ादा के.एस. बाली, *महासचिव* — *मो. 9899068573*

अलवर

सर्वप्रथम मोहयाल सभा जिला अलवर हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष रायज़ादा बी.डी. बाली एवं जनरल सेक्रेटरी कर्नल एल.आर. वैद

एवं समस्त कार्यकारिणी को महाशिवरात्रि की हार्दिक बधाई देती है। आज 11 फरवरी 2018 में उप जिलाध्यक्ष श्री चंद्रमोहन वैद के निवास स्थान 108 वैद विला मालवीय नगर अलवर के अंदर 24 सदस्य महिला पुरुष बच्चों सहित उपस्थिति दर्ज की गई, जिसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष श्री राजीव बक्शी एवं मुख्य अतिथि संरक्षक श्री राजकुमार बक्शी संरक्षक श्री रोशनलाल बक्शी एवं मेहमान पदाधिकारीगण का फूल मालाओं से स्वागत किया गया। मीटिंग की शुरूआत प्रार्थना के साथ शुरू हुई। उसके बाद जिला महासचिव राजेश कुमार दत्ता ने कुछ बिंदुओं पर चर्चा की–

1. बिरादरी की जनगणना का कार्यक्रम आरंभ है सभी परिवार अपनी जनगणना करवाएँ। जो परिवार मीटिंग में नहीं पहुँच पा रहे हैं हमारी कार्यकारिणी टीम घर में जाकर बिरादरी की जनगणना करेगी।

2. बिरादरी का खाता जल्द से जल्द इस माह के अंत तक खोल दिया जाएगा। प्रत्येक मीटिंग में कोषाध्यक्ष बैलेंस शीट बिरादरी के सामने प्रस्तुत करेंगे ताकि आमदनी खर्च में पारदर्शिता बनी रहे।

3. ज़रूरमंद परिवार को जी.एम.एस. के द्वारा आर्थिक सुविधा प्रदान की जाएगी।

संरक्षक श्री रोशनलाल बक्शी जी ने बिरादरी को मजबूत करने के लिए अपने विचार रखे। उसी समय मुख्य अतिथि श्री राजकुमार बख्शी ने बिरादरी के सामने अपने विचार रखे। साथ ही बिरादरी को कार्यकारिणी संबंधी कानून संविधान बनाने के लिए कहा, साथ ही जीएमएस के नियम एवं कानून के आधार पर कार्य करने के लिए प्रेरित किया। उसके बाद स्वर्गीय मनमोहिनी दत्ता धर्मपत्नी स्वर्गीय अविनाशी राम दत्ता निवास गाँव निर्भयपुरा अलवर एवं दिल्ली निवासी स्व. परसाराम जी की बाली एवं वैद परिवार के रिश्तेदार का भी शोक संदेश रखा गया।

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

उस सभा के संरक्षक श्री रोशनलाल बक्शी संरक्षक श्री राजकुमार बक्शी जिलाध्यक्ष राजीव बक्शी सीनियर उप जिलाध्यक्ष डॉ. दलजीत सिंह बाली उप जिलाध्यक्ष चंद्रमोहन वैद, उप जिलाध्यक्ष विजय दत्ता उप जिलाध्यक्ष सुनील मेहता महासचिव राजेश कुमार दत्ता कोषाध्यक्ष गिर्राज बाली सहायक सेक्रेटरी संजीव दत्ता प्रवक्ता नरेश वैद यूथ कल्चर सेक्रेटरी केवल वैद मैट्रोमोनियल प्रधान चंचल वैद सीनियर प्रधान प्रोफेसर निशि बाली, नेहा वैद, पंकज वैद, श्री प्रेम प्रकाश वैद, नवीन वैद संभव वैद, भावना वैद कार्यकारिणी सदस्य मंजू वैद धर्मपत्नी श्री नरेश वैद माताजी कमला बाली, भारत बाली, विजय बाली, श्री रोहित बाली, हेमंत बाली उसके उपरांत उप जिलाध्यक्ष चंद्रमोहन वैद परिवार के द्वारा बिरादरी को चाय नाश्ता वितरण किया गया।

अंत में गायत्री मंत्र के साथ सभा की समाप्ति अध्यक्ष श्री राजीव बख्शी के द्वारा की गई एवं बिरादरी के जय कारे नारे लगाए गए।

राजीव बख्शी, *अध्यक्ष* — *मो. 9079114143*

राजेश कुमार दत्ता, *महासचिव* — *मो. 8239022878*

नारायणगढ़

मोहयाल सभा नारायणगढ़ की मैनेजिंग कमेटी की बैठक 11 फरवरी 2018 को प्रधान श्री टी.के. बाली के निवास ग्राम–खानपुर राजपुताना, तहसील नारायणगढ़ जिला अम्बाला में हुई, जिसमें यह निर्णय लिया गया कि अगली मीटिंग भी श्री टी.के. बाली के निवास पर दिनांक 11.03.2018 को गाँव खानपुर राजपुताना में होगी।

मोहयाल सभा का कार्यकाल एक वर्ष के लिए निर्धारित हुआ था। जो की सभी सदस्यों की सहमति से किया गया था। मोहयाल सभा नारायणगढ़ का कार्यकाल 31.03.2018 को पूरा हो गया है। चुनाव के बारे में बता दिया गया है। जो भी सदस्य प्रधान, जनरल सेक्रेटरी बनना चाहता है वो अपना नाम प्रधान श्री टी.के. बाली को 7 दिनों पहले बता दे। चुनाव सभी सदस्यों की सहमति से किया जाएगा। जिसको भी सदस्य आपसी सहमति से चुन सकते हैं। जोकि सभी सदस्यों को मान्य होगा। अगर 7 दिन पहले किसी भी सदस्य का नाम नहीं आता तो यह सभा की मैनेजिंग कमेटी मार्च 2018 से मार्च 2019 तक सभा का कार्य करेगी। इसके बाद किसी भी सदस्य की शिकायत मान्य नहीं होगी।

टी.के. बाली, *अध्यक्ष* — *मो. 8221962213*

सुमन कुमार दत्ता *महासचिव* — *मो. 9896126311*

कुरूक्षेत्र

मासिक मीटिंग प्रधान संतोष वैद की अध्यक्षता में मोहयाल प्रार्थना के साथ आरंभ हुई। सभा का आयोजन श्रीमती आदर्श बाली जी ने ब्राह्मण धर्मशाला में किया।

प्रधान जी ने सभी उपस्थित सदस्यों को मोहयाल प्रेसीडेंट, सेक्रेटरी मीटिंग में जिन बातों पर विचार हुआ के बारे में बताया। श्रीमती चाँद दत्त व हकीकत राय वैद जी ने सुझाव रखे कि हर बिरादरी की अपनी धर्मशाला है कुरूक्षेत्र में, सिर्फ मोहयाल बिरादरी की धर्मशाला या भवन नहीं है। सबसे पहले यहाँ धार्मिक नगरी में अपनी मोहयाल बिरादरी का भी भवन बनाना चाहिए, जिससे मोहयाल बिरादरी का नाम हो। सभी उपस्थित सदस्यों ने एकमत से इस पर अपनी सहमति जताई। श्रीमती आदर्श बाली जी ने जनगणना के साथ 'नई कुरूक्षेत्र मोहयाल डायरेक्टरी' भी बनाने का सुझाव दिया। जिसे प्रधान जी ने स्वीकार किया व जल्द ही इस पर काम शुरू करने का आश्वासन भी दिया।

सभी ने 25 फरवरी को होली मिलन के आयोजन का निर्णय लिया। जिसे कुरूक्षेत्र ब्रह्म सरोवर के दक्षिण तट पर सुबह 11 बजे मनाया जाएगा। सभी मोहयाल भाई बहन इस होली मिलन में सादर आमंत्रित हैं।

मोहिंदर बक्शी जी ने श्रीमती आदर्श बाली जी का जलपान व सभा के आयोजन के लिए धन्यवाद किया। सभा का समापन गायत्री मंत्र के साथ हुआ।

संतोष वैद, *प्रधान*

बराड़ा

बराड़ा की मासिक बैठक 4.02.2018 को सभा के प्रधान सरदार हरदीप सिंह वैद जी की अध्यक्षता में गायत्री मंन्त्रोच्चारण व मोहयाली प्रार्थना के बाद सभा के सेक्रेटरी श्री रविन्द्र कुमार छिब्बर जी के निवास स्थान पर सम्पन्न हुई। सभा के वित्त सचिव श्री बलदेव सिंह दत्त जी ने पिछले महिने की कारवाई पढ़कर सुनाई, जिसपर सभी ने अपनी सहमति प्रकट की।

हमारी मोहयाल बिरादरी के जो प्रसिद्ध उद्योगपति हैं उनसे विनम्र निवेदन है कि हमारी बिरादरी के जो पढ़े लिखे बेरोजगार युवक हैं उन्हें कृपया अपने उद्योग धंधों में रोजगार देने की कृपा करें।

अन्त में सभा ने आए हुए सभी सदस्यों ने जलपान के लिए रविन्द्र कुमार छिब्बर परिवार का धन्यवाद किया।

रविन्द्र छिब्बर, *सचिव (मो.) 9466213488*

नजफगढ़

मासिक बैठक 04.02.2018 को प्रधान श्री शेर जंग बाली की अध्यक्षता में श्री हर्ष दत्ता, सचिव के निवास स्थान (दत्ता प्लाजा, 22 ओल्ड रोशनपुरा, नजफगढ़ नई दिल्ली) में मोहयाल प्रार्थना व गायत्री मंत्रोच्चारण के साथ आरम्भ हुई, जिसमें 19 भाई–बहनों ने भाग लिया। सभा के सचिव श्री हर्ष दत्ता जी ने पिछले माह की कार्यवाही पढ़कर सुनाई, वित्त सचिव श्री बलदेव राज दत्ता ने लेखा–जोखा पेश किया, जिसका सब सदस्यों ने अनुमोदन किया।

शोक समाचारः श्री हर्ष दत्ता जी की चाची जम्मू निवासी श्रीमती नीलम लौ पत्नी श्री दुर्गा दास लौ का निधन 31 जनवरी 2018 को जम्मू में हुआ। सभी सदस्यों ने उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रभु से प्रार्थना की एवं परिवार के प्रति गहरी संवेदना प्रकट की।

प्रधान जी ने अनुरोध किया कि बैठक में अधिक से अधिक सदस्य भाग लें, ताकि बिरादरी में मेल–जोल बना रहे। सभी ने बढ़िया जलपान के लिए श्री हर्ष दत्ता को धन्यवाद दिया।

अगली बैठक 4 मार्च 2018 को श्री हर्ष दत्ता जी के निवास स्थान दत्ता प्लाजा, 22 ओल्ड रोशनपुरा, नजफगढ़ नई दिल्ली में प्रातः 10:30 बजे होगी। सभी सदस्यों से उपस्थित होने का अनुरोध है।

शेर जंग बाली, *प्रधान* — *मो. 9871756765*

हर्ष दत्ता, *सचिव* — *मो. 9312174583*

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

यमुनापार

मासिक बैठक प्रधान श्री सतीश बाली जी की अध्यक्षता में मोहयाल भवन, झील में सम्पन्न हुई। सभा के सरपरस्त चौधरी दलीप सिंह दत्ता सहित 26 सदस्यों ने भाग लिया।

1. सचिव ने पिछले माह की रिपोर्ट को पढ़ा। ज्ञात रहे 21 जनवरी को सभा ने मोहयाल मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया था सचिव संजीव बाली ने मोहयाल–मिलन का पूरा खर्च–ब्यौरा सभा पटल पर रखा और सभा को सूचित किया की सभी खर्चों के बाद भी सभा ने अधिक मात्रा में धन को बचाया है। सचिव ने सूचित किया कि किसी भी सदस्य को हिसाब–किताब सम्बंधित कोई भी जानकारी चाहिए तो वह कभी भी समय लेकर जानकारी हासिल कर सकता है। कैशियर अनिल वैद ने दिसम्बर तक का लेखा–जोखा सभा में रखा। सभी ने तालियाँ बजा कर स्वागत किया और हिसाब–किताब पारित किया गया।

2. चौधरी दलीप सिंह दत्ता जी ने सभा कमेटी को सफल मोहयाल–मिलन कार्यक्रम के आयोजन पर बधाई दी उन्होंने फूलों का गुलदस्ता सभा को भेंट किया तथा सचिव संजीव बाली को प्रेम से गले लगाकर शगुन स्वरूप नए नोटों से भरा एक लिफाफा भेंट किया। सभी ने अपने "जय मोहयाल दत्ता साहिब" का आशीर्वाद प्राप्त किया और उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना की।

3. प्रधान सतीश बाली ने बताया कि उनकी टीम को 7–8 माह ही हुए हैं, इतने कम समय में सभी कार्य सुचारू रूप से चल रहे हैं। अगली गर्मियों में बच्चों के पेपरों के बाद सभा भ्रमण का कार्यक्रम बनायेगी। उन्होंने भवन रखरखाव पर भी अगले माह तक आचार सहिंता बनाने का आदेश दिया। आदरणीय सरपरस्त दलीप सिंह दत्ता जी तथा प्रधान सतीश बाली जी ने भवन–संचालक को अगले माह तक सभी समान की गिनती कर, लिस्ट बनाने का आदेश दिया।

4. डॉ. विजय स्वरूप लौ जी, जो किसी कारणवश मिलन कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके, आज उनका स्वागत–सत्कार किया गया उन्होंने सभा को बहुत सहयोग दिया है, सभा ने सर्वसम्मति से उन्हें अपना सरपरस्त बनाया है।

5. धनेश दत्ता, संजय दत्ता और जसबीर बख्शी ने सफल मोहयाल–मिलन के आयोजन की टीम को बधाई दी! उन्होंने कहा बेहतर समझबूझ तालमेल और कुशल नेतृत्व से ही ऐसा संभव होता है।

6. उप प्रधान श्री श्याम सुन्दर मोहन जी ने सभा को सूचित किया की मोहयाल मतगणना के करीब 60 फार्म इकट्ठा हुए हैं जिन्हें वह फ़ोन के द्वारा अपडेट करेंगे। अगले माह तक वह और फोटो कापियाँ भी सदस्यों तक पहुचाएंगे, सभी ने हर्षध्वनि से उनका अनुमोदन किया।

7. दिवंगत राजिन्द्र वैद जी को आज फिर से याद किया गया, उनकी कमी मीटिंग में महसूस की गई। परिवार ने उनकी स्मृति में सभा को दो हज़ार रुपए भेंट किए।

8. विनोद बाली, संजीव बाली, दलीप सिंह दत्ता, डॉ. विजय स्वरूप लौ, मेहता इन्दर मोहन, ब्रज शर्मा और सतीश बाली विधवा फंड में मुख्य दान कर्त्ता रहे। अंत में दिवंगत कुसुम छिब्बर (शाहदरा) के लिए दो मिनट का मौन रखा गया ईश्वर माता जी की आत्मा को शांति दे।

सूचनाः वह सदस्य जो किसी कारणवश मोहयाल मिलन कार्यक्रम में शामिल नहीं हो पाए हो तथा वह यमुनापार के सदस्य हों अथवा उन्होंने मेले फंड में दान दिया हो कृपया अगली मीटिंग पर अवश्य आएँ और अपना गिफ्ट "दीवार घड़ी" ले जाएँ।

संजीव बाली (बंटी), *सचिव*
मो. 9811758418, 7678262318

पानीपत

मासिक बैठक 11 फरवरी 2018 को श्री ऋत मोहन जी के निवास स्थान पर हुई। सभा की अध्यक्षता श्री राजकुमार दत्ता जी ने की। मोहयाल प्रार्थना के बाद तीन बार गायत्री महामंत्र का उच्चारण किया गया।

निम्नलिखित सदस्यों के निधन पर दो मिनट का मौन रखा गयाः

1. श्री राजिंदर दत्ता जी का 1 जनवरी 2018 को पानीपत निधन हो गया था, वह श्री राजकुमार दत्ता जी के बड़े भाई थे तथा पिछले कुछ समय से बीमार चल रहे थे।

2. पंजाब के पूर्व राज्यपाल ले.जन. बी.के.एन. छिब्बर जी की धर्मपत्नी श्रीमती रमा छिब्बर जी का निधन हो गया था।

3. पद्मश्री ब्रिगेडियर डॉ. कपिल मोहन का निधन हो गया था। वह देश के प्रसिद्ध उद्योगपतियों में से एक थे।

मीटिंग में सदस्यों को हाल ही में संपन्न हुई, मोहयाल सभाओं के प्रधानों व सचिवों की नई दिल्ली में बैठक का विस्तृ ब्यौरा दिया गया। इस सभा में आने वाले समय में जीएमएस द्वारा नई नीतियों के बारे में बताया गया।

सदस्यों ने 10वीं व 12वीं की परीक्षाओं में शामिल होने वाले मोहयाल बच्चों को शुभकामनाएँ दीं तथा उनसे बेहतरीन नतीजे की उम्मीद की।

श्रीमती शीला देवी छिब्बर की 9 फरवरी को प्रथम पुण्य–तिथि थी। उनकी श्रद्धांजलि दी गई। वह श्री नरेंद्र छिब्बर की माताजी थीं।

सभा ने श्रीमती रणजीत कौर दत्ता के स्वस्थ होने की कामना की। साथ ही श्री ओम प्रकाश छिब्बर के स्वस्थ होने की भी कामना की गई।

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

श्री लवनीश मेहता जी का 10 फरवरी को जन्मदिन था उनको भी बधाई दी गई।

मीटिंग के दौरान सदस्यों ने अप्रैल माह में हरिद्वार भ्रमण की बात की, तथा मोहयाल आश्रम हरिद्वार में रहने की सहमति जताई। इस दौरान महिलाओं व बच्चों ने तंबोला खेला तथा खूब मनोरंजन किया।

अंत में शांति पाठ के साथ सभा संपन्न हुई। जलपान की व्यवस्था व मीटिंग के आयोजन के लिए श्रीमती सुनीता मोहन व श्री ऋत मोहन का धन्यवाद किया।

नरेंद्र छिब्बर, *सचिव (मो.) 9416412184*

सिरसा

मासिक बैठक दिनांक 10.01.2018 को प्रधान मदनलाल दत्ता की अध्यक्षता में उन्हीं के निवास स्थान खैरपुर कालोनी, सिरसा में हुई। मासिक बैठक में श्री बी.डी. बाली जी तथा समस्त सदस्यों और सभी मोहयाल भाई–बहनों को नए वर्ष की शुभकामनाओं सहित अच्छे स्वस्थ्य की कामना की।

सभा में आर्थिक सहायता पाने वाली विधवाओं ज़रूरतमंदों की सहयोग राशि मिलते रहने के आवेदन के बारे में तथा वार्षिक संबद्धता के बारे बताया गया। उनसे सार्टिफिकेट लिए। सभी भाई बहनों ने नए साल की एक दूसरे को बधाई दी।

सभी से विचार सांझा किए गए। सभी ने प्रधान जी के द्वारा दिए चायपान का धन्यवाद किया। इसके साथ ही आगामी बैठक में उपस्थित होने की अपील की।

मदनलाल दत्ता, *अध्यक्ष* *8570994004*

रमेश कुमार छिब्बर, *महासचिव* *8607410014*

गुरदासपुर : ठक्कर बाबा

हर वर्ष की भाँति वार्षिक मोहयाल मेला इस बार भी 22.01.2018 बसंत पंचमी को मोहयाल भवन बाबा ठक्कर जी महाराज की समाधि, गोल मंदिर, सगलपुर रोड, गुरदासपुर में बहुत धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस वर्ष भी करीब 2000 से ज्यादा मोहयाल भाई–बहनों व बच्चों ने इस में भाग लिया। 21.01.2018 को पवित्र रामायण का पाठ रखा गया। 21.01.2018 प्रातः से मोहयाल परिवारों का आगमन तेज़ी से होने लगा। सुबह के नाश्ते पर छोले भटूरे और कॉपी का इंतजाम श्री पंकज दत्ता पुत्र श्री रघुवीर सिंह दत्ता निवासी जम्मू की तरफ से की गई। श्री पी.के. दत्ता, वाईस प्रेजिडेंट, जनरल मोहयाल सभा, देहली ने विशेष रूप में इस मेले में जीएमएस की तरफ से भाग लिया। अमृतसर से श्री सुनील दत्ता जी विधायक, पंजाब विधान सभा ने भी अपने श्रद्धासुमन बाबा ठक्कर जी, महाराज की समाधि पर अर्पित किए तथा उपस्थित भाई–बहनों से अपने विचार साझे किए। पूरे भारतवर्ष से लगभग हर प्रांत से मोहयाल इस बार पहुँचे। दोपहर 12.30 पर अरदास तथा प्रार्थना की गई। इसके तय उपरांत लंगर का आयोजन हुआ। सभी उपस्थित संगत ने स्थानीय प्रबंधन द्वारा किए प्रबंध की तारीफ की।

श्री रमेश दत्ता सम्मानित

फ्रैन्डज़ सोशल वर्करज़ एसोसिएशन, एन.आई.टी. फरीदाबाद ने 26 जनवरी बहुत धूमधाम से मनाय। इस अवसर पर एसोसिएशन ने श्री

रमेश दत्ता जी को उनकी निस्वार्थ सेवाओं के लिए सम्मानित किया। एसोसिएशन के प्रधान श्री दौलतराम चड्ढ़ा ने अपने सम्बोधन में कहा कि आज हमें बहुत खुशी है कि स्वर्गीय मेहता देसराज दत्ता जी के परिवार की तीन पीढ़ियाँ हमारे बीच उपस्थित हैं। हम प्रभु से प्रार्थना करते हैं कि ये परिवार इसी प्रकार समाज सेवा करता रहे। उन्होंने श्री रमेश दत्ता जी के सुपुत्र श्री ध्रुव दत्ता व सुपौत्र उज्जवल दत्ता को भी सम्मानित किया व श्री योगेश ढ़ीगड़ा जी ने इस अवसर पर श्री रमेश दत्ता जी को शॉल पहनाकर सम्मानित किया।–***मनु वैद***

एडवोकेट मोहित छिब्बर बने अनुशासन कमेटी के सदस्य

'बार काउंसिल ऑफ़ पंजाब एण्ड हरियाणा चंडीगढ़' के चेयरमैन विजेंद्र सिंह अहलावत ने यमुनानगर के वकील मोहित छिब्बर को अनुशासन

कमेटी का सदस्य नियुक्त किया है। पंजाब व हरियाणा में वकीलों के खिलाफ जो भी शिकायतें आती हैं वे सभी शिकायतें इसी कमेटी में आती हैं। कमेटी द्वारा ऐसी शिकायतों का निवारण भी किया जाता है। इस कमेटी में एक चेयरमैन व दो सदस्य बनाए जाते हैं। मोहित छिब्बर ने अपने लिए इसे बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा कि वह बार काउंसिल द्वारा दी गई इस जिम्मेदारी को ईमानदारीपूर्वक निभाएंगें और अपने इस पद की गरिमा को बनाए रखने का हर संभव प्रयास करेंगे।

इस मौके पर यमुनानगर के वकीलों ने मोहित छिब्बर की इस नियुक्ति के लिए उन्हें बधाई दी। इस अवसर पर एडवोकेट वीरेंद्र सैनी, मनोज मेहता, बलदेव, पंकज वर्मा, जसवीर सिंह, सुमित वर्मा, गुरमुख सिंह और रामेश्वर सहित भारी संख्या में वकील उपस्थित थे। मोहयाल सभा यमुनानगर और मोहयाल सभा जगाधरी वर्कशॉप ने मोहित छिब्बर की इस नियुक्ति पर उन्हें बधाई और शुभकामनाएँ दी हैं।

सुरेन्द्र मेहता छिब्बर, *महासचिव एम.एस. जगाधरी वर्कशॉप*
मो. 9355310880

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

श्री जगदीश लाल वैद का निधन

श्री जगदीश लाल वैद सुपुत्र स्वर्गीय सरदारी लाल वैद व स्व. श्रीमती लाल देई वैद निवासी 130 कुलदीप नगर राजपुरा का निधन 26.01.2018 को हृदयगति रुक जाने की वजह से हो गया। इनका जन्म 14.11.1943 को वैदाँ की कोटली पाकिस्तान में हुआ था। फौज में नौकरी करने के उपरांत इन्होंने एफसीआई में नौकरी की। ये बहुत ही मधुर स्वभाव वाले खुश मिसाज व्यक्ति थे। इनकी अचानक मृत्यु हो जाने पर वैद परिवार को गहरा दुख हुआ है। इनकी आत्मा की शांति हेतु 5.02.2018 को रस्म–क्रिया संत निरंकारी भवन राजपुरा टाऊन में हुई। इस दुःख की घड़ी में सभी सगे सम्बंधियों व मित्रों ने दिवंगत आत्मा को अपनी श्रद्धांजलि दी व परिवार को सांत्वना प्रकट की।

मोहयाल सभा अंबाला शहर के प्रधान श्री जे.पी. मेहता जी ने दिवंगत आत्मा के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की। स्वर्गीय श्री जगदीश लाल वैद जी की धर्मपत्नी श्रीमती उर्मिल वैद जी ने अपने पति की याद में 200 रुपए मोहयाल सभा अंबाला शहर को 200 रु. जनरल मोहयाल सभा को मोहयाल आश्रम हरिद्वार लंगर फंड हेतु भेंट किए। ऊँ शांति शांति!

पंकज बाली, *प्रधान यूथ विंग अंबाला, मो. 8950516822*

श्री राजिंदर दत्ता का निधन

1 जनवरी 2018 को श्री राजिंदर दत्ता जी का निधन हो गया वे पिछले कुछ समय से बीमार चल रहे थे। श्री दत्ता जी, श्री मनोहर लाल दत्ता व श्रीमती चंदरकांता जी के सुपुत्र थे तथा बक्शी चमनलाल दत्ता व श्रीमती सुशीलावन्ती दत्ता (कंजरूर दत्ता) जी के पौत्र थे। राजिंदर दत्ता जी ने अपना जीवन बड़ी सादगी व ईमानदारी से जीया। वे अपने पीछे धर्मपत्नी श्रीमती सुदेश दत्ता जी, पुत्र कुशल दत्ता व पुत्रवधू मिताली दत्ता, दो पुत्रियाँ सुविधा व अनुराधा छोड़ गए हैं। श्री दत्ता जी पानीपत सभा के उपप्रधान श्री राज कुमार दत्ता के बड़े भाई थे। 4 जनवरी 2018 को संपन्न हुई, उनकी रस्म पगड़ी में मोहयाल बिरादरी के लोगों के अलावा बड़ी संख्या में शहर के गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया।

श्री मंगतराम मेहता का निधन

स्वर्गीय मंगतराम मेहता लौ पुत्र स्वर्गीय श्री जगन्नाथ मेहता गाँव नाचिन्दी, चकवाल (पाकिस्तान) का निधन 29 जनवरी 2018 को उनके कैंप, यमुनानगर निवास पर हो गया। उनके परिवार में उनके पुत्र श्री नरेश मेहता लौ, सीनियर वाइस प्रेसीडेंट मोहयाल सभा जगाधरी वर्कशॉप, श्री रमेश मेहता लौ, पुत्रवधू श्रीमती शशि मेहता, श्रीमती रचना मेहता, पौत्र विकास मेहता, रोहन मेहता, पोत्री तनवी मेहता, तनीषा मेहता, पुत्री प्रवीण बाला (रमेश शर्मा), किरण बाला (स्वर्गीय राकेश कुमार), रेखा रानी (सुधीर कुमार) है, वह अपना भरा पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनकी रस्म–क्रिया 7 फरवरी को सनातन धर्म मंदिर कैंप में हुई, जिससे भारी संख्या में मोहयाल बिरादरी के सदस्यों ने भाग लेकर उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उनकी स्मृति में पुत्रों ने 501 रुपए जीएमएस और 501 रु. मोहयाल सभा जगाधरी वर्कशॉप को भेंट किया। परमात्मा उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें।

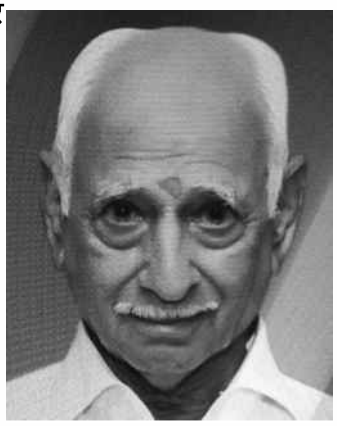

मोहयाल सभा की बैठक में भी स्वर्गीय मंगतराम मेहता को श्रद्धांजलि अर्पित की गई और उनकी आत्मिक शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया।

सुरेंद्र मेहता छिब्बर, *महासचिव एम.एस. जगाधरी वर्कशॉप मो. 9355310880*

श्री राजेश बाली का निधन

अत्यंत खेद से सूचित किया जाता है कि श्री राजेश बाली पौत्र स्वर्गीय श्री खैराती राम बाली एवं स्वर्गीय श्रीमती कैलाश रानी बाली पुत्र श्रीमती प्रेम बाली एवं श्री सुभाष चन्द्र बाली का दिनांक 25 जनवरी 2018 को असामयिक निधन हो गया है। उनके बाद उनके परिवार में उनकी पत्नी श्रीमती प्रतिमा बाली पुत्री श्रीमती शशी दत्ता एवं स्वर्गीय श्री मदनलाल दत्ता जी तथा दो पुत्रियाँ सुश्री दीप्ति बाली तथा सुश्री भाविका बाली है। राजेश बाली का जन्म 12 फरवरी 1974 को रमेश नगर दिल्ली में हुआ था। उनके परिवार ने 500 रुपए जीएमएस को भेंट किए हैं। परमात्मा उनकी आत्मा को शांति प्रदान करे।

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

भाई नानकचन्द छिब्बर का निधन

आप सभी को सूचित किया जाता है कि भाई नानकचंद छिब्बर सुपुत्र स्वर्गीय भाई मालिकराम छिब्बर गाँव डेहरा सलीमपुर

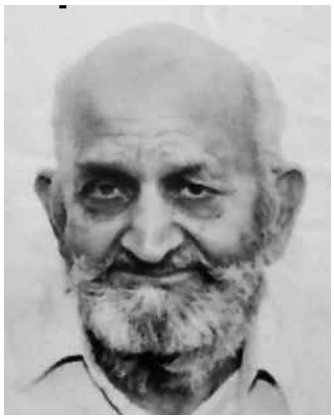

निवासी जिला अंबाला (हरियाणा) का अचानक देहान्त 23 जनवरी 2018 को हुआ। वह पाकिस्तान में करियाला के छिब्बर थे। उनका जन्म एक फरवरी 1937 को जम्मू में उनके नानके परिवार में हुआ, जिस वजह से उनका नाम नानकचन्द पड़ा। उन्होंने फौज में सर्विस की और 31 दिसंबर 1974 को रिटायर हुए। उसके बाद गाँव में रहकर अपनी खेती–बाड़ी का काम करने लगे। वह बहुत ही वीर प्रवृत्ति व धार्मिक विचारों के व्यक्ति थे। रस्म–पगड़ी 2 फरवरी 2018 को हुई, जिसमें बिरादरी के लोग और रिश्तेदार सभी शामिल होकर उन्हें श्रद्धांजलि दी व भगवान से प्रार्थना की उन्हें अपने चरणों में स्थान दे व पीछे परिवार को इस दुःख को सहने की शक्ति प्रदान करे।

वह अपने पीछे पत्नी चन्द्रप्रभा, सुपुत्र गुलशन कुमार छिब्बर, पुत्रवधु किमी छिब्बर, पौत्र अरुण छिब्बर, दो बेटियाँ सुनीता वैद, सीमा वैद दामाद स्वर्गीय दिनेश वैद, और श्री राजीव वैद, भाई कृष्णलाल छिब्बर, मोहन लाल छिब्बर कनाडावासी व बहिन श्रीमती सन्तोष बक्शी। परिवार की तरफ से 250 रुपए जी.एम.एस. व 250 रु. मोहयाल सभा बराड़ा को दान किए।

श्रीमती शीला देवी छिब्बर की पहली बरसी

दिनांक 9 फरवरी 2018 को पूजनीय माता श्रीमती शीला देवी छिब्बर की प्रथम पुण्य–तिथि थी। समय इतनी जल्दी से

निकल गया कि पता ही नहीं चला। उल्लेखनीय है कि श्रीमती शीला देवी मेहता (छिब्बर) जी का निधन 22 मार्च 2018 को यमुनानगर में हुआ। वह स्वर्गीय श्री रामप्रकाश मेहता (छिब्बर) जी की धर्मपत्नी थी जिनका निधन 24 जुलाई 2017 को हो गया था। श्रीमती शीला देवी जी स्व. भाई हाकिम राय छिब्बर व श्रीमती वीरांवाली छिब्बर (भल्ला करियाला) की पुत्रवधू थीं। श्रीमती शीला देवी बहुत ही मिलनसार व धार्मिक प्रवृत्ति की महिला थी, मोहयाल बिरादरी के अलावा बाकि लोगों में भी वह काफी लोकप्रिय थीं। अपने पति श्री रामप्रकाश जी की तरह उनकी भी सतगुरु बावा लाल दयाल जी में गहरी आस्था थी तथा भाई मतिदास गुरुद्वारा बूडिया (जगाधरी) से भी उनका विशेष लगाव रहा। श्रीमती शीला देवी ने अपने पोते–पोतियों को भरपूर प्यार दिया। वे भी अपनी दादी माँ से अटूट प्रेम करते थे।

श्रीमती छिब्बर कट्टर मोहयाल थीं। उनकी सभी पाँच बहुएँ मोहयाल परिवारों से हैं। इनका स्वास्थ्य भी ठीक था। वे मार्च 2017 में नई दिल्ली में संपन्न हुए 125वें 'जनरल मोहयाल सभा सम्मेलन' में भी शामिल हुई तथा आदरणीय बी.डी. बाली जी, जी.डी. बक्शी, पी.के. दत्ता, रविंदर छिब्बर इत्यादि सभी से मिली थीं और कार्यक्रम का खूब मजा लिया था। अपने पुत्रों, बहुओं, पौत्र व पोत्रियों को उन्होंने से अटूट प्यार था।

इस अवसर पर छिब्बर परिवार तथा सगे–सम्बन्धियों ने उनकी स्मृति में हवन किया तथा उनकी आत्मिक शांति की कामना की। श्रीमती शीला देवी अपने पीछे सुपुत्र–नरेंदर छिब्बर, सुरेंदर छिब्बर, देवेंदर छिब्बर, सतपाल छिब्बर व वीरेंदर छिब्बर, बहुएँ–अंजु छिब्बर, मधु छिब्बर, अलका छिब्बर, ज्योति छिब्बर व ऋतु छिब्बर, पोते–पवन छिब्बर, गौरव छिब्बर, सुमिल छिब्बर, तक्ष छिब्बर व तुषार छिब्बर, पोतियाँ–ऋचा छिब्बर, कंचन छिब्बर व भाविका छिब्बर, देवर–कीमती प्रकाश छिब्बर व सुभाष चंद्र छिब्बर तथा देवरानियाँ–किरण छिब्बर व सन्तोष छिब्बर छोड़ गई हैं।

परिवार ने इस मौके पर "श्री रामप्रकाश मेहता (छिब्बर) व श्रीमती शीला देवी मेहता (छिब्बर)" ट्रस्ट में 2000 रुपए की राशि भेंट की।–***ऋत मोहन,*** *पानीपत*

मोहन जठेरों का लंगर

मोहन जाति के जठेरों का लंगर गाँव–लांबड़ा, जिला–जलंधर में 16 मार्च 2018 को आयोजित किया गया है। हवन सुबह दस बजे शुरू होगा। आप सादर आमंत्रित हैं। सहयोग राशि इस एकाउंट में भेजें–

Account No.: 0753000101888278
Name : MOHAN JATHERE WELFARE SOCIETY
MICRO Code : 144024028, Branch : LAMBRA
BANK : Punjab National Bank

संपर्क करें : श्री हरजिंदर मोहन (मो.) 9464885893
गौतम मोहन (प्रज़ीडेंट, मोहयाल सभा लांबड़ा, 9357253538)

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor